नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 01.07.2019

प्रकाशनार्थ

वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में संवेदनशील और अनुशासित शिक्षक की भूमिका सर्वप्रमुख है। शिक्षक समाज का मार्ग द्रष्टा होता है। अपने शिक्षण कला और व्यक्तित्व से विद्यार्थियों के अन्दर जीवन ज्योति उत्पन्न करता है। एक अच्छे और सच्चे शिक्षक के लिए आत्मअनुशासन और मिशनरी भाव अत्यन्त मूल्यवान तथ्य है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज जंगल धूसड़ में सत्रारम्भ के अवसर पर **साप्ताहिक शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक** के उद्घाटन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के **प्राणि विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह** ने कही।

उन्होने समाज में शिक्षक की उपयोगिता और भूमिका का उल्लेख करते हुए भारत के युवा सन्यांसी स्वामी विवेकानन्द के एक सन्दर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि ईश्वर के इस विस्तृत सृजन में सम्पूर्ण प्रकृतिक परिदृश्य में समयबद्धता का अनुशासन स्पष्ट रूप से परिलक्षित होना चाहिए। जिस प्रकार से सूर्योदय, सूर्योस्त और मौसम अनवरत अपने–अपने समय से इस ब्रह्माण्ड का चमत्कृत कर रहे है उसी प्रकार शिक्षक को भी अपने स्पष्ट दृष्टि और व्यक्तित्व द्वारा इस समाज को प्रज्ज्वलित करते रहना चाहिए। शिक्षक के लिए समाज और शैक्षिक संस्था के प्रति पूर्ण समर्पण ही किसी समाज की सफलता की परिणाम निर्धारित करता है। ईमानदारी पूर्वक किया गया कार्य हमेशा से ही फलीभूत होता है। शिक्षण कला मात्र एक आजिविका साधन नही है बल्कि वह सृष्टि का एक प्रकार से रचयिता भी है। उसकी जबावदेही और उत्तरदायित्व अत्यन्त ही अहम है। **इस अवसर पर प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने महाविद्यालय के केन्द्रिय पुस्तकालय को प्राणि विज्ञान की 58 महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ पुस्तकें दान किया।**

शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में **प्रस्ताविकी** एवं **सम्पूर्ण कार्य योजना** को प्रस्तुत करते हुए **प्राचार्य डॉ. प्रदीव कुमार राव** ने कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए योजना का प्रभावी महत्व होता है। नेक नियत और स्पष्ट दृष्टि श्रेष्ठ योजना निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है। योजना निर्माण में जब सहभागिता सर्वव्यापक हो जाती है तो वह व्यापक आकर स्वरूप में आती है। यह संस्थान अपने स्थापना काल से ही गुणवत्तापरक और संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए समाज के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। ऐसे में सप्ताहिक शैक्षिक कार्यशाला की उपादयता और महत्ता अपने आप बढ़ जाती है। महाविद्यालय के बढ़ते हुए कदम में यह

क्रमशः...2

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 01.07.2019

कार्यशाला दो कदम और आगे बढ़ने के लिए हमे प्रेरित करेगी।

उन्होने बताया कि कार्यशाला में सात दिनों तक प्रातः 10: 00 बजे से 04:00 बजे तक विभिन्न सत्रो में चलेगी इसके अन्तर्गत 02 मई 2019 को सत्र 2018–19 वार्षिक समीक्षा बैठक की पुष्टि, शैक्षिक पंचांग, दायित्त्वसह कार्य विभाजन, प्रवेश एवं परीक्षा, समय–सारणी , पठन–पाठन एवं कक्षाध्यापन में नए प्रयोग, पुस्तकालय–वाचनालय, प्रयोगशाला, विभागीय योजनाएँ, विभागीय योजनाएं, विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा में प्रयास साप्ताहिक कक्षाध्यापन, स्वैच्छिक श्रमदान, प्रार्थना सभा, शिक्षक आचार संहिता, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र, शिक्षक स्वमूल्यांकन, पाठ्यक्रम योजना–प्रगति आख्या, गोद लिए गए विद्यार्थी, गोद लिए गए गाँव, मासिक मूल्यांकन, सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना, विभागीय योजना, छात्रसंघ, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई, निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, क्रीड़ा, राष्ट्रीय सेवा योजना, एन.सी.सी., तकनीकी प्रसार, वेबसाइट, फेसबुक, ट्यूटर, यू–ट्यब, कार्यालय, नैक, महन्त, अवेद्यनाथ स्मृति–व्याख्यान–माला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, संस्थापक सप्ताह समारोह, युवा महोत्सव, भारत–भारती पखवारा, समावर्तन–संस्कार समारोह इत्यादि महत्त्वपूर्ण आयोजन, वार्षिक बजट इत्यादि विषयों पर विचार–विमर्श कर वर्तमान सत्र में पूर्व मनोयोग से हम सब विद्या के इस मन्दिर को और परिष्कृत करेंगे। कार्यशाला में सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

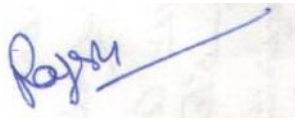

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी